अंतरराष्ट्रीय व्यापार

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). व्यापार किसे कहते हैं?
उत्तर – वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को व्यापार कहते हैं।

प्रश्न 2 (आसान). व्यापार में कम से कम कितने पक्ष होते हैं?
उत्तर – व्यापार में कम से कम दो पक्ष (खरीदार और विक्रेता) होते हैं।

प्रश्न 3 (मध्यम). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सामान्य व्यापार में क्या मुख्य अंतर है?
उत्तर – सामान्य व्यापार एक ही देश की सीमाओं के अंदर होता है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दो या दो से अधिक देशों की सीमाओं के पार होता है।

प्रश्न 4 (कठिन). देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्यों करते हैं, जबकि वे अपने देश में भी चीज़ें बना सकते हैं?
उत्तर – देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार इसलिए करते हैं क्योंकि वे कुछ चीज़ें खुद या तो बना नहीं सकते, या फिर दूसरे देश से उन्हें वही चीज़ें कम दाम में या बेहतर गुणवत्ता वाली मिल जाती हैं।

» आदिम समाज में व्यापार का स्वरूप: विनिमय व्यवस्था

प्रश्न 5 (आसान). विनिमय व्यवस्था में व्यापार कैसे किया जाता था?
उत्तर – वस्तु के बदले वस्तु का सीधा आदान-प्रदान करके।

प्रश्न 6 (आसान). क्या विनिमय व्यवस्था में पैसों का इस्तेमाल होता था?
उत्तर – नहीं, पैसों का इस्तेमाल नहीं होता था।

प्रश्न 7 (मध्यम). विनिमय व्यवस्था की सबसे बड़ी कठिनाई क्या थी?
उत्तर – दोहरे संयोग का अभाव, यानी दोनों पक्षों की ज़रूरतों का एक साथ मिलना मुश्किल था।

प्रश्न 8 (कठिन). सोचकर बताओ कि आदिम समाज में नमक जैसी चीज़ विनिमय व्यवस्था में क्यों ज़्यादा कीमती रही होगी?
उत्तर – क्योंकि नमक उस समय दुर्लभ और महंगा होता था, और खाने को सुरक्षित रखने के लिए ज़रूरी भी। इसलिए, लोग इसके बदले कई दूसरी चीज़ें देने को तैयार रहते थे।

» मुद्रा का आगमन और व्यापार में परिवर्तन

प्रश्न 9 (आसान). मुद्रा के आगमन से पहले किस प्रकार की व्यापार प्रणाली प्रचलित थी?
उत्तर – वस्तु विनिमय प्रणाली (बार्टर सिस्टम)

प्रश्न 10 (आसान). मुद्रा ने विनिमय व्यवस्था की कौन सी प्रमुख कठिनाई दूर की?
उत्तर – आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की कठिनाई

प्रश्न 11 (मध्यम). प्राचीन समय में कुछ दुर्लभ वस्तुओं के नाम बताओ जिन्हें मुद्रा के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।
उत्तर – चकमक पत्थर, कौड़ी शेल, व्हेल के दांत, नमक, सोना, चाँदी।

प्रश्न 12 (कठिन). क्यों 'सैलेरी' शब्द का संबंध नमक से है, यह कैसे मुद्रा के इतिहास से जुड़ा है?
उत्तर – क्योंकि प्राचीन समय में नमक दुर्लभ और महंगा होता था, इसलिए उसे भुगतान के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। लैटिन शब्द 'सैलेरियम' से ही 'सैलेरी' शब्द बना है, जिसका अर्थ है 'नमक के द्वारा भुगतान'।

» अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास

प्रश्न 13 (आसान). प्राचीन काल में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्यों सीमित था?
उत्तर – लंबी दूरी तक वस्तुओं का परिवहन जोखिमपूर्ण था।

प्रश्न 14 (आसान). रेशम मार्ग किन दो मुख्य स्थानों को जोड़ता था?
उत्तर – चीन को रोम से।

प्रश्न 15 (मध्यम). दास व्यापार क्या था और यह कब शुरू हुआ?
उत्तर – दास व्यापार 15वीं शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेशवाद के साथ शुरू हुआ, जहाँ अफ्रीकी मूल निवासियों को पकड़कर अमेरिका में बागानों में काम करने के लिए भेजा जाता था।

प्रश्न 16 (कठिन). औद्योगिक क्रांति ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के स्वरूप को कैसे बदला?
उत्तर – औद्योगिक क्रांति के बाद कच्चे माल (जैसे अनाज, ऊन) की माँग बढ़ी, और औद्योगिक राष्ट्रों ने कच्चे माल का आयात कर के तैयार माल को गैर-औद्योगिक राष्ट्रों को निर्यात करना शुरू कर दिया। इससे व्यापार की मात्रा और प्रकृति दोनों बदल गई।

» अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार

प्रश्न 17 (आसान). वह कौन सा आधार है जो किसी देश की मिट्टी, जलवायु और खनिज पर निर्भर करता है?
उत्तर – राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता।

प्रश्न 18 (आसान). अगर किसी देश की जनसंख्या बहुत बड़ी है और उसका जीवन स्तर भी ऊंचा है, तो वह किस प्रकार के उत्पादों की मांग कर सकता है?
उत्तर – उच्च गुणवत्ता वाले आयातित उत्पाद।

प्रश्न 19 (मध्यम). समझाइए कि किस प्रकार 'आर्थिक विकास की प्रावस्था' अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के स्वरूप को बदल देती है?
उत्तर – एक कृषि प्रधान देश कृषि उत्पादों के बदले विनिर्मित वस्तुएं आयात करता है, जबकि एक औद्योगिक राष्ट्र मशीनरी और तैयार उत्पाद निर्यात करता है और कच्चे माल व खाद्यान्न आयात करता है।

प्रश्न 20 (कठिन). चीन के उत्तम कोटि के 'पोर्सलिन' और ईरान के 'कालीन' किस आधार पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्व रखते हैं? विस्तार से बताइए।
उत्तर – ये 'जनसंख्या कारक' के सांस्कृतिक पहलू के उदाहरण हैं। विशिष्ट संस्कृतियों में कला और हस्तशिल्प के अलग-अलग रूप विकसित होते हैं जिनकी वैश्विक मांग होती है। चीन की चीनी मिट्टी के बर्तन और ईरान के कालीन अपनी गुणवत्ता और विशिष्टता के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में सराहे जाते हैं, जिससे इन देशों का व्यापार बढ़ता है।

» व्यापार संतुलन

प्रश्न 21 (आसान). अगर देश A ने 100 करोड़ का निर्यात किया और 80 करोड़ का आयात किया, तो व्यापार संतुलन कैसा है?
उत्तर – धनात्मक (अनुकूल)

प्रश्न 22 (आसान). व्यापार संतुलन की गणना में क्या तुलना की जाती है?
उत्तर – निर्यात और आयात के मूल्य

प्रश्न 23 (मध्यम). देश B का निर्यात 1200 करोड़ है और आयात 1500 करोड़ है। व्यापार संतुलन का मूल्य और प्रकार क्या होगा?

उत्तर – 300 करोड़ रुपये का ऋणात्मक संतुलन।

प्रश्न 24 (कठिन). एक ऋणात्मक व्यापार संतुलन किसी देश की अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित कर सकता है? दो मुख्य कारण बताइए।

उत्तर – एक ऋणात्मक संतुलन का मतलब है कि देश अपनी कमाई से ज़्यादा खर्च कर रहा है, जिससे वित्तीय भंडार कम हो सकते हैं और देश पर कर्ज बढ़ सकता है।

» अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार: द्विपार्श्विक और बहुपार्श्विक व्यापार

प्रश्न 25 (आसान). अगर देश 'A' और देश 'B' आपस में कंप्यूटर और कपड़े का व्यापार करते हैं, तो यह कौन सा व्यापार है?

उत्तर – द्विपार्श्विक व्यापार

प्रश्न 26 (आसान). वह व्यापार जिसमें कोई एक देश दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार करता है, उसे क्या कहते हैं?

उत्तर – बहुपार्श्विक व्यापार

प्रश्न 27 (मध्यम). भारत दुनिया के कई देशों से दवाई बनाने का कच्चा माल खरीदता है और बनी हुई दवाइयां अलग-अलग देशों को बेचता है। यह किस प्रकार का व्यापार है?

उत्तर – यह बहुपार्श्विक व्यापार है, क्योंकि भारत कई अलग-अलग देशों के साथ व्यापार कर रहा है।

» मुक्त व्यापार और डंपिंग

प्रश्न 28 (आसान). यदि कोई देश अपने सामान पर से सभी टैक्स हटा दे ताकि दूसरे देश आसानी से खरीद सकें, तो इसे क्या कहेंगे?

उत्तर – मुक्त व्यापार

प्रश्न 29 (आसान). अगर कोई कंपनी अपने ही देश में 100 रुपये में बिकने वाली चीज़ को दूसरे देश में 50 रुपये में बेच दे, तो वह क्या कर रही है?

उत्तर – डंपिंग

प्रश्न 30 (मध्यम). मुक्त व्यापार से विकासशील देशों के स्थानीय उद्योगों को क्या नुकसान हो सकता है?

उत्तर – उन्हें विकसित देशों के सस्ते और बड़े पैमाने पर बने उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है, जिससे उनके अपने उत्पाद बिकने मुश्किल हो जाते हैं और उद्योग बंद हो सकते हैं।

प्रश्न 31 (कठिन). एक विकसित देश अक्सर डंपिंग का उपयोग क्यों करता है? इसका उद्देश्य क्या हो सकता है?

उत्तर – विकसित देश डंपिंग का उपयोग अक्सर किसी दूसरे देश के बाज़ार में घुसने, वहाँ के स्थानीय उत्पादकों को प्रतियोगिता से बाहर करने और फिर बाज़ार पर कब्ज़ा करने के लिए करते हैं। इससे उन्हें लंबे समय में ज़्यादा लाभ कमाने में मदद मिलती है।

» विश्व व्यापार संगठन (WTO)

प्रश्न 32 (आसान). WTO का पूरा नाम क्या है?

उत्तर – विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization)

प्रश्न 33 (आसान). WTO का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

उत्तर – जिनेवा, स्विट्जरलैंड

प्रश्न 34 (मध्यम). WTO के दो मुख्य कार्य क्या हैं?
उत्तर – वैश्विक व्यापार नियमों को तय करना और सदस्य देशों के बीच व्यापारिक विवादों का निपटारा करना।

प्रश्न 35 (कठिन). WTO की मुख्य आलोचनाएँ क्या हैं?
उत्तर – इसकी आलोचना की जाती है कि यह मुक्त व्यापार से केवल अमीर देशों को लाभ पहुँचाता है, गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ाता है, और पर्यावरण, स्वास्थ्य, बाल श्रम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की अनदेखी करता है।

» अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित लाभ और हानियाँ

प्रश्न 36 (आसान). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का कोई एक लाभ बताओ।
उत्तर – देशों के बीच विशिष्टीकरण को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न 37 (आसान). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की कोई एक हानि बताओ।
उत्तर – देशों में दूसरे देशों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

प्रश्न 38 (मध्यम). ज्ञान और संस्कृति के प्रसार में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कैसे सहायक हो सकता है?
उत्तर – जब देश आपस में व्यापार करते हैं, तो लोग एक-दूसरे के सामान खरीदते हैं। इससे वे एक-दूसरे की संस्कृति और तकनीकों के बारे में सीखते हैं, जिससे ज्ञान और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।

प्रश्न 39 (कठिन). आपकी राय में, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पर्यावरणीय प्रभाव को कैसे कम किया जा सकता है?
उत्तर – पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए देशों को ऐसे उत्पादों का व्यापार करना चाहिए जो पर्यावरण के अनुकूल हों। साथ ही, उत्पादन और परिवहन में प्रदूषण कम करने वाली तकनीकों का इस्तेमाल करना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत पर्यावरण संरक्षण के नियमों का पालन करना चाहिए।

» पत्तन: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार

प्रश्न 40 (आसान). पत्तन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए क्या होते हैं?
उत्तर – प्रवेश द्वार

प्रश्न 41 (आसान). जहाज़ों से सामान लादने और उतारने की सुविधाएँ कहाँ मिलती हैं?
उत्तर – पत्तन पर

प्रश्न 42 (मध्यम). पत्तन पर जहाज़ों के लिए कौन-कौन सी मुख्य सुविधाएँ होती हैं?
उत्तर – गोदी, लादने-उतारने की व्यवस्था, और भंडारण सुविधाएँ।

प्रश्न 43 (कठिन). अगर किसी देश के पास अच्छे पत्तन न हों, तो उसके अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – अगर अच्छे पत्तन न हों, तो सामान लाना-ले जाना मुश्किल हो जाएगा, व्यापार धीमा होगा और देश को आर्थिक नुक़सान होगा, जिससे विकास भी रुक सकता है।

» पत्तन के प्रकार: निपटाए गए नौभार और अवस्थिति के आधार पर

प्रश्न 44 (आसान). जो पत्तन सिर्फ कच्चे माल जैसे लौह अयस्क और कोयले का व्यापार करता है, उसे क्या कहेंगे?
उत्तर – औद्योगिक पत्तन

प्रश्न 45 (आसान). एक पत्तन जो नदी के किनारे शहर के अंदर बना है, वह किस प्रकार का पत्तन होगा?
उत्तर – अंतर्देशीय पत्तन

प्रश्न 46 (मध्यम). चेन्नई पत्तन तैयार कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कुछ कच्चा माल भी संभालता है। यह निपटाए गए नौभार के आधार पर किस प्रकार का पत्तन है?
उत्तर – विस्तृत पत्तन

प्रश्न 47 (कठिन). कल्पना करो एक नया पत्तन बनाया जा रहा है जो बहुत बड़े सुपरटैंकरों को संभालेगा और शहर से दूर, गहरे पानी में होगा। यह किस प्रकार का पत्तन होगा, और क्यों?
उत्तर – यह एक 'बाह्य पत्तन' होगा क्योंकि इसे गहरे पानी में बड़े जहाज़ों के लिए बनाया जा रहा है, और यह शहर से दूर है। नौभार के आधार पर, अगर यह सिर्फ तेल जैसे औद्योगिक उत्पाद संभालेगा, तो 'औद्योगिक पत्तन' होगा।

» पत्तन के प्रकार: विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर

प्रश्न 48 (आसान). वेनेज़ुएला में माराकाइबो किस प्रकार का पत्तन है?
उत्तर – तैल पत्तन

प्रश्न 49 (आसान). कौन से पत्तन केवल युद्धक जहाजों को सेवाएँ देते हैं?
उत्तर – नौसेना पत्तन

प्रश्न 50 (मध्यम). सिंगापुर, रोटरडम और कोपेनहेगेन किस प्रकार के पत्तन के उदाहरण हैं और उनका मुख्य काम क्या है?
उत्तर – ये आंत्रापो पत्तन हैं, इनका काम विभिन्न देशों से निर्यात के लिए वस्तुओं को इकट्ठा करना और फिर उन्हें आगे भेजना है।

प्रश्न 51 (कठिन). मार्ग पत्तन और पैकेट स्टेशन में क्या अंतर है? एक-एक उदाहरण भी दीजिए।
उत्तर – मार्ग पत्तन (जैसे अदन, होनोलूलू) मूल रूप से जहाज़ों के लिए ईंधन, पानी और खाद्य सामग्री लेने के लिए विश्राम केंद्र थे, जबकि पैकेट स्टेशन (जैसे इंग्लैंड में डोवर और फ्रांस में कैलाइस) छोटी दूरियों पर डाक और यात्रियों के परिवहन से जुड़े होते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक देश 'क' के पास बहुत ज़्यादा चावल है, पर उसे तेल की ज़रूरत है। वहीं दूसरा देश 'ख' के पास बहुत ज़्यादा तेल है, पर उसे चावल की ज़रूरत है। बताओ, ये दोनों देश अपनी ज़रूरतें कैसे पूरी करेंगे?

- देश 'क' और देश 'ख' दोनों की ज़रूरतें अलग-अलग हैं।
- देश 'क' के पास जो चीज़ ज़्यादा है (चावल), वह उसे बेच सकता है।
- देश 'ख' के पास जो चीज़ ज़्यादा है (तेल), वह उसे बेच सकता है।
- दोनों देश आपस में चावल और तेल का आदान-प्रदान करेंगे।
- इस आदान-प्रदान को 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार' कहेंगे क्योंकि यह दो अलग-अलग देशों के बीच हो रहा है।

उत्तर – दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के ज़रिए एक-दूसरे की ज़रूरतें पूरी करेंगे, देश 'क' चावल निर्यात करेगा और तेल आयात करेगा, वहीं देश 'ख' तेल निर्यात करेगा और चावल आयात करेगा।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक कुम्हार (जो बर्तन बनाता है) को नल ठीक करवाने वाले की ज़रूरत है और नल ठीक करने वाले को बर्तनों की ज़रूरत है। विनिमय व्यवस्था में ये दोनों कैसे व्यापार करेंगे?

- पहला कदम: कुम्हार को एक ऐसे नलसाज (नल ठीक करने वाले) को खोजना होगा, जिसे उसके बनाए हुए बर्तनों की ज़रूरत हो।
- दूसरा कदम: नलसाज को एक ऐसे कुम्हार को खोजना होगा, जिसे नल ठीक करवाने की ज़रूरत हो और जो बदले में बर्तन दे सके।
- तीसरा कदम: जब दोनों मिल जाएंगे, तो कुम्हार अपने बर्तन नलसाज को देगा।
- चौथा कदम: बदले में, नलसाज अपनी नल ठीक करने की सेवाएँ कुम्हार को देगा।
- निष्कर्ष: इस तरह बिना पैसे का इस्तेमाल किए, दोनों की ज़रूरतें पूरी हो गईं।

उत्तर – कुम्हार अपने बर्तनों के बदले नलसाज से नल ठीक करवाएगा।

उदाहरण 3. मान लीजिए एक गाँव में टमाटर का उत्पादन ज़्यादा हुआ है और लोग उसके बदले में कपड़े खरीदना चाहते हैं। बिना मुद्रा के इस व्यापार में क्या समस्या आएगी और मुद्रा आने से यह कैसे सुलझेगा?

› पहला चरण: बिना मुद्रा के, टमाटर बेचने वाले को ऐसा कपड़ा विक्रेता खोजना पड़ेगा जिसे टमाटर चाहिए हो। अगर ऐसा कोई नहीं मिला तो व्यापार नहीं हो पाएगा। इसे 'आवश्यकताओं का दोहरा संयोग' कहते हैं।

› दूसरा चरण: मुद्रा के आगमन से, टमाटर बेचने वाला अपने टमाटर बेचकर मुद्रा प्राप्त कर सकता है। उसे अब ऐसा कपड़ा विक्रेता खोजने की ज़रूरत नहीं जिसे टमाटर चाहिए हों।

› तीसरा चरण: मुद्रा मिलने के बाद, टमाटर विक्रेता उस मुद्रा से किसी भी कपड़ा विक्रेता से अपनी पसंद के कपड़े खरीद सकता है, चाहे उस कपड़ा विक्रेता को टमाटर चाहिए हों या नहीं।

› चौथा चरण: इस प्रकार, मुद्रा ने व्यापार को लचीला बनाया और दोहरे संयोग की समस्या को दूर कर दिया, जिससे वस्तुओं का आदान-प्रदान आसान हो गया।

उत्तर – मुद्रा के आगमन से व्यापार में 'आवश्यकताओं के दोहरे संयोग' की समस्या दूर हो गई और अब टमाटर विक्रेता आसानी से अपनी पसंद के कपड़े खरीद पाएगा।

उदाहरण 4. रेशम मार्ग का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के इतिहास में क्या महत्व था?

› पहला कदम: पहचानो कि रेशम मार्ग एक प्राचीन व्यापारिक मार्ग था।

› दूसरा कदम: बताओ कि यह मार्ग चीन को रोम से जोड़ता था, लगभग 6000 किलोमीटर लंबा।

› तीसरा कदम: उल्लेख करो कि इसके ज़रिए रेशम, ऊन, बहुमूल्य धातुएं और अन्य महंगी वस्तुएं एक जगह से दूसरी जगह जाती थीं।

› चौथा कदम: समझाओ कि यह लंबी दूरी के व्यापार का एक शुरुआती और महत्वपूर्ण उदाहरण था, जिसने संस्कृतियों को भी जोड़ा।

उत्तर – रेशम मार्ग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण उदाहरणों में से एक था। इसने चीन को रोम से जोड़ा और रेशम व अन्य महंगी वस्तुओं के व्यापार को संभव बनाया, जिससे विभिन्न सभ्यताओं के बीच वस्तुओं और विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

उदाहरण 5. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के किन्हीं दो आधारों को समझाइए।

› पहला आधार है 'राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता'। भारत के पास विविध प्रकार के कृषि उत्पाद और मानव संसाधन हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास लौह अयस्क और कोयले जैसे खनिज संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं।

› दूसरा आधार है 'आर्थिक विकास की प्रावस्था'। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं अलग-अलग चरणों में हैं। भारत विकासशील देश है और उसे मशीनों की ज़रूरत होती है, जबकि ऑस्ट्रेलिया एक विकसित देश है जो खनिज और कृषि उत्पादों का निर्यात करता है।

उत्तर – इस प्रकार, संसाधनों की भिन्नता और आर्थिक विकास के अलग-अलग चरणों के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया एक-दूसरे के साथ व्यापार करते हैं, जैसे भारत ऑस्ट्रेलिया से खनिज आयात करता है और ऑस्ट्रेलिया भारत से निर्मित वस्तुएँ व सेवाएँ ले सकता है।

उदाहरण 6. मान लीजिए एक देश 'X' ने एक साल में 5000 करोड़ रुपये का सामान निर्यात किया और 7000 करोड़ रुपये का सामान आयात किया। इस देश का व्यापार संतुलन कैसा होगा? धनात्मक या ऋणात्मक? और कितने का?

› सबसे पहले, हम निर्यात का मूल्य देखेंगे: 5000 करोड़ रुपये।

› फिर, आयात का मूल्य देखेंगे: 7000 करोड़ रुपये।

› अब, व्यापार संतुलन निकालने के लिए निर्यात में से आयात को घटाएंगे: 5000 करोड़ - 7000 करोड़ = -2000 करोड़ रुपये।

› क्योंकि यह संख्या ऋणात्मक (-2000 करोड़) है और आयात निर्यात से ज़्यादा है, इसका मतलब है कि देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक है।

› यह 2000 करोड़ रुपये का ऋणात्मक संतुलन है।

उत्तर – देश X का व्यापार संतुलन 2000 करोड़ रुपये का ऋणात्मक (प्रतिकूल) होगा।

उदाहरण 7. भारत और सऊदी अरब के बीच कच्चे तेल का व्यापार किस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का उदाहरण है, और क्यों?

› पहला कदम, हम देखेंगे कि यहाँ कितने देश शामिल हैं। यहाँ सिर्फ दो देश हैं: भारत और सऊदी अरब।

› दूसरा कदम, क्योंकि केवल दो देश एक-दूसरे के साथ व्यापार कर रहे हैं (भारत कच्चा तेल खरीद रहा है और सऊदी अरब बेच रहा है), यह द्विपार्श्विक व्यापार की परिभाषा में फिट बैठता है।

› तीसरा कदम, द्विपार्श्विक व्यापार का मतलब ही है 'दो देशों के बीच का व्यापार', जहाँ वो आपस में तय की गई वस्तुओं का आदान-प्रदान करते हैं।

उत्तर – यह द्विपार्श्विक व्यापार (Bilateral Trade) का उदाहरण है, क्योंकि इसमें केवल दो देश (भारत और सऊदी अरब) सीधे तौर पर आपस में व्यापार कर रहे हैं।

उदाहरण 8. भारत सरकार ने विदेशों से आने वाले कपड़ों पर से आयात शुल्क (import duty) हटा दिया। बताओ, यह किस प्रकार की व्यापार नीति है और इसका क्या उद्देश्य है?

› पहला कदम: आयात शुल्क हटाना मतलब व्यापार में लगने वाली एक बाधा को खत्म करना।

› दूसरा कदम: जब बाधाएं हटाई जाती हैं, तो इसे व्यापार उदारीकरण या 'मुक्त व्यापार' कहते हैं।

› तीसरा कदम: इसका उद्देश्य है कि दूसरे देशों से कपड़े आसानी से भारत आ सकें, जिससे लोगों को ज़्यादा विकल्प मिलें और शायद सस्ते कपड़े भी मिलें।

उत्तर – यह 'मुक्त व्यापार' की नीति है। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना और बाजार को विदेशी उत्पादों के लिए खोलना है।

उदाहरण 9. भारत और चीन के बीच एक व्यापारिक विवाद उत्पन्न हुआ, जहाँ चीन ने भारत के कुछ कृषि उत्पादों पर अनुचित रूप से उच्च आयात शुल्क लगा दिया। WTO इस स्थिति को कैसे संभालेगा?

› सबसे पहले, भारत WTO में चीन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगा।

› WTO इस मामले की जाँच करेगा और दोनों देशों से उनके पक्ष सुनेगा।

› WTO के ववािद नपिटारा नकिाय (Dispute Settlement Body) इस मामले की समीक्षा करेंगे और नयिमों के आधार पर अपना फैसला सुनाएंगे।

› अगर चीन दोषी पाया जाता है, तो उसे या तो शुल्क कम करना होगा या फिर भारत को कोई और रियायत देनी होगी।

› अगर चीन WTO के फैसले का पालन नहीं करता, तो भारत को WTO की अनुमति से चीन पर कुछ जवाबी व्यापार प्रतिबंध लगाने की छूट मिल सकती है।

उत्तर – WTO दोनों देशों के बीच व्यापारिक विवाद को अपने नियमों के तहत सुलझाने का प्रयास करेगा ताकि व्यापार निष्पक्ष रहे।

उदाहरण 10. भारत और सऊदी अरब के बीच कच्चे तेल का व्यापार होता है। इस व्यापार से भारत को क्या लाभ और क्या हानियाँ हो सकती हैं?

› पहला, भारत कच्चे तेल का एक बड़ा उपभोक्ता है लेकिन उसके पास पर्याप्त तेल भंडार नहीं हैं। तो सऊदी अरब से तेल खरीदने से भारत की ऊर्जा ज़रूरतें पूरी होती हैं - यह एक बड़ा 'लाभ' है।

› दूसरा, तेल आयात करने से भारत की अर्थव्यवस्था चलती रहती है, कारखाने चलते हैं, गाड़ियाँ चलती हैं, जिससे देश में 'उच्च उत्पादन' और 'रहन-सहन का स्तर' बनाए रखने में मदद मिलती है।

› लेकिन 'हानि' यह है कि भारत कच्चे तेल के लिए सऊदी अरब पर 'निर्भर' हो जाता है। अगर किसी कारण से सऊदी अरब तेल की सप्लाई रोक दे या कीमतें बहुत बढ़ा दे, तो भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा 'असर' पड़ेगा।

› साथ ही, तेल निकालने और उसके परिवहन से 'पर्यावरण' पर भी असर पड़ता है - जैसे तेल फैलना, प्रदूषण बढ़ना।

› अगर भारत को बहुत ज़्यादा तेल खरीदना पड़े तो इससे भारत का 'भुगतान संतुलन' (Balance of Payment) बिगड़ सकता है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं है।

उत्तर – भारत को अपनी ऊर्जा ज़रूरतों की पूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने का लाभ मिलता है, लेकिन कच्चे तेल के लिए सऊदी अरब पर निर्भरता और पर्यावरणीय प्रभाव जैसी हानियाँ भी होती हैं।

उदाहरण 11. एक जहाज़ को भारत से कपड़े का एक बड़ा खेप जापान भेजना है। यह प्रक्रिया पत्तन पर कैसे शुरू और खत्म होगी?

› सबसे पहले, भारत में कपड़े के खेप को एक भारतीय पत्तन (जैसे मुंबई) पर लाया जाएगा।

› वहाँ पत्तन के कर्मचारी और मशीनें (जैसे क्रेन) कपड़े के कंटेनरों को जहाज़ पर सावधानी से लादेंगे।

› जहाज़ भारत से चलकर समुद्र मार्ग से जापान के पत्तन (जैसे टोक्यो) पहुँचेगा।

› जापानी पत्तन पर, जहाज़ से कंटेनरों को उतारा जाएगा और भंडारण क्षेत्र में रखा जाएगा।

› वहाँ से, कपड़े को आगे जापान के बाज़ारों में भेजा जाएगा।

› यह पूरी प्रक्रिया पत्तनों के माध्यम से ही संभव हो पाती है, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 'प्रवेश द्वार' हैं।

उत्तर – जहाज़ पत्तनों पर सामान लादता और उतारता है, जिससे भारत और जापान के बीच कपड़े का व्यापार सफल होता है।

उदाहरण 12. मुंबई पत्तन किस प्रकार का पत्तन है, यदि वह तेल, अनाज के साथ-साथ कपड़े और मशीनें भी संभालता है, और समुद्र तट पर गहरे पानी में स्थित है?

› पहला, निपटाए गए नौभार देखें: मुंबई पत्तन तेल और अनाज (औद्योगिक) तथा कपड़े और मशीनें (वाणिज्यिक) दोनों तरह का सामान संभाल रहा है।

› तो नौभार के हिसाब से यह 'विस्तृत पत्तन' हुआ, क्योंकि इसमें औद्योगिक और वाणिज्यिक दोनों तरह का काम होता है।

› दूसरा, अवस्थिति देखें: यह 'समुद्र तट पर गहरे पानी में' स्थित है।

› इसलिए, अवस्थिति के आधार पर यह 'बाह्य पत्तन' हुआ, क्योंकि यह मुख्य शहर से थोड़ा दूर गहरे समुद्र में है ताकि बड़े जहाज़ आसानी से आ-जा सकें।

उत्तर – मुंबई पत्तन निपटाए गए नौभार के आधार पर 'विस्तृत पत्तन' है, और अवस्थिति के आधार पर 'बाह्य पत्तन' है।

उदाहरण 13. अगर किसी बंदरगाह का मुख्य काम तेल को जहाज़ों में भरना और खाली करना है, तो उसे किस प्रकार का पत्तन कहेंगे?

› पहला कदम: हमें पत्तन के विशिष्ट कार्य को देखना है।

› दूसरा कदम: यहाँ कार्य 'तेल को भरना और खाली करना' है।

› तीसरा कदम: हमने पढ़ा है कि जो पत्तन तेल के प्रक्रमण और नौ-परिवहन का काम करते हैं, उन्हें 'तैल पत्तन' कहते हैं।

› निष्कर्ष: यह एक तैल पत्तन होगा।

उत्तर – यह एक 'तैल पत्तन' होगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की परिभाषा और इसके मुख्य कारणों को बोर्ड परीक्षा के लिए अच्छी तरह से समझ लेना, क्योंकि यह अक्सर पूछा जाता है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाइयाँ' या 'मुद्रा के आगमन से पहले व्यापार का स्वरूप' जैसे प्रश्नों के रूप में आती है, इसलिए इसे अच्छे से समझना ज़रूरी है।

• यह अवधारणा अक्सर 3-5 अंकों के प्रश्नों में पूछी जाती है जहाँ आपको मुद्रा के महत्व और उसके ऐतिहासिक विकास को समझाना होता है। उदाहरणों को अच्छे से याद रखना।

• अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के इतिहास से जुड़े प्रमुख पड़ावों और उनकी विशेषताओं को ज़रूर याद रखना, खासकर रेशम मार्ग, दास व्यापार, और औद्योगिक क्रांति के प्रभाव को, क्योंकि ये अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछे जाते हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि व्यापार संतुलन क्या है और इसके धनात्मक या ऋणात्मक होने के क्या प्रभाव होते हैं, इसलिए इसे अच्छे से समझ लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। परिभाषा और उदाहरण के साथ इन दोनों प्रकारों का अंतर स्पष्ट करना अक्सर पूछा जाता है।

• WTO से जुड़े सवाल अक्सर बोर्ड परीक्षा में आते हैं, खासकर इसके कार्य और इसकी आलोचनाएँ, तो इन्हें अच्छे से याद कर लेना।
• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! अक्सर 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ और हानियों' पर सीधा प्रश्न पूछा जाता है। आपको दोनों पहलुओं पर संतुलित उत्तर लिखना होगा।
• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3 से 5 अंकों के प्रश्न के रूप में आता है, जहाँ पत्तनों के महत्व और उनकी भूमिका पर सवाल पूछे जाते हैं।
• बोर्ड परीक्षा में, इन पत्तनों के प्रकार और उनके एक-दो उदाहरणों पर सीधे प्रश्न आते हैं। खासकर 'आंत्रापो पत्तन' और 'मार्ग पत्तन' के बीच का अंतर अक्सर पूछा जाता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› व्यापार = वस्तुओं/सेवाओं का आदान-प्रदान। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार = देशों के पार व्यापार।
› विनिमय व्यवस्था: वस्तु के बदले वस्तु, मुद्रा रहित व्यापार, आदिम समाज में।
› मुद्रा ने वस्तु विनिमय की दोहरा संयोग समस्या दूर की; दुर्लभ वस्तुएँ भी मुद्रा थीं।
› प्राचीन रेशम मार्ग, दास व्यापार, औद्योगिक क्रांति, GATT/WTO से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास।
› व्यापार संतुलन = निर्यात मूल्य - आयात मूल्य। धनात्मक (अनुकूल) या ऋणात्मक (प्रतिकूल)।
› द्विपार्श्विक: दो देशों के बीच; बहुपार्श्विक: अनेक देशों के बीच व्यापार।
› WTO: वैश्वकि व्यापार नयिम, ववाद नपिटारा, 1995 में GATT से वकिसति।
› अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: विशिष्टीकरण, उच्च रहन-सहन (लाभ); निर्भरता, शोषण, पर्यावरण नुकसान (हानियाँ)।
› पत्तन = अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के मुख्य प्रवेश द्वार, जहाज़ों के लिए ज़रूरी सुविधाएँ।
› पत्तन के प्रकार: तैल, मार्ग, पैकेट, आंत्रापो, नौसेना - विशिष्ट कार्य।